मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर

MALAVIYA NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY JAIPUR

राजभाषा प्रकोष्ठ/Hindi Cell

हिंदी कार्यशाला का आयोजन

विषय : "संघ की राजभाषा नीति"
आयोजक : राजभाषा प्रकोष्ठ, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर
तिथि : 15 जनवरी 2026
समय : प्रात: 10:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक
स्थान : बैठक कक्ष, केन्द्रीय पुस्तकालय, एमएनआईटी जयपुर
मुख्य वक्ता : श्री वजीर सिंह, सहायक निदेशक (रा.भा.), कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II) राजस्थान, जनपथ, जयपुर।

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर के बैठक कक्ष, केन्द्रीय पुस्तकालय में **दिनांक 15 जनवरी, 2026 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला** का आयोजन किया गया। कार्यशाला विशेष रूप से **"संघ की राजभाषा नीति"** की प्रकिया पर केंद्रित थी, यह कार्यशाला आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य अधिकारीयों/कर्मचारियों को संघ की राजभाषा नीति की प्रक्रियाओं, नियमों तथा उनके व्यावहारिक अनुपालन के बारें में स्पष्ट एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना होता है, ताकि वे कार्यालय के दैनिक कार्यों में हिंदी का प्रभावी प्रयोग कर सकें।

प्रथम सत्र: उद्घाटन सत्र

कार्यशाला के प्रारंभ में **डॉ. ऋषि कुमार तिवारी, सह समन्वयक, राजभाषा एवं कुशाग्र चतुर्वेदी, राजभाषा अधिकारी, राजभाषा द्वारा प्रशिक्षक श्री वजीर सिंह, सहायक निदेशक (रा.भा.), कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II) राजस्थान, जनपथ, जयपुर** को फूलदान प्रदान कर राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से स्वागत किया गया।

कार्यशाला के आयोजन में डॉ. ऋषि कुमार तिवारी, सह समन्वयक, एवं कुशाग्र चतुर्वेदी, राजभाषा अधिकारी, राजभाषा ने महतवपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने संस्थान की दैनिक कार्यप्रणाली में हिंदी के प्रयोग को प्रभावी रूप से एकीकृत करने के लिए उपयोगी एवं व्यावहारिक सुझाव प्रस्तुत किये।

प्रशिक्षण सत्र:

मुख्य वक्ता श्री वजीर सिंह, ने संघ की राजभाषा नीति के उद्देश्य, महत्व तथा उसके व्यावहारिक क्रियान्वयन के बारें में विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि भारत सरकार की राजभाषा नीति का मुख्य उद्देश्य सरकारी कार्यों में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करना है, जिससे राजकीय कार्य सुचारु रूप से संचालित हो सकें। उन्होंने समझाया कि राजभाषा अधिनियम, राजभाषा

Scanned with OKEN Scanner

नियम तथा समय-समय पर जारी किए गए सरकारी आदेशों के अनुसार कार्यालयों में पत्राचार, टिप्पणियों, प्रतिवेदनों एवं अन्य कार्यों में हिंदी का प्रयोग बढ़ाना आवश्यक है । उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कहा की वे अपने दैनिक कार्यों में अधिकाधिक हिंदी का प्रयोग करें और राजभाषा नीति के उद्देश्यों को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

प्रतिभागियों की भागीदारी:

इस कार्यशाला में एमएनआईटी के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों से प्रशासनिक, तकनीकी एवं अन्य स्टाफ सदस्यों ने बहुत ही उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला के दौरान विभिन्न प्रश्न पूछे और संघ की राजभाषा नीति के बारे में बहुत ही ध्यानपूर्वक समझा।

प्रथम हिंदी कार्यशाला – 2026 (15 जनवरी, 2026)								
क्रम संख्या	आयोजन तिथी	महिला अधिकारी	पुरुष अधिकारी	कुल अधिकारी	महिला कर्मचारी	पुरुष कर्मचारी	कुल कर्मचारी	कुल प्रतिभागी
1.	15.01.2026	1	2	3	3	19	22	25

समापन सत्र:

कार्यशाला का समापन सांय 05:00 बजे हुआ। समापन सत्र में प्रतिभागियों ने कार्यशाला की उपयोगिता पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की। अत: में राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये । राजभाषा प्रकोष्ठ ने भविष्य में भी इस प्रकार की विषयवस्तु आधारित कार्यशालाओं के आयोजन का आश्वासन दिया।

निष्कर्ष:

यह कार्यशाला कार्यालय के कार्यों में हिंदी भाषा का प्रयोग बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल थी। कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को राजभाषा नीति के प्रावधानों, हिंदी में कार्य करने की प्रक्रियाओं तथा व्यावहारिक उपायों की जानकारी प्राप्त हुई। इससे कर्मचारियों में हिंदी के प्रति जागरूकता एवं आत्मविश्वास बढ़ा तथा कार्यालयीन कार्यों को हिंदी में करने की प्रेरणा मिली।

अतः इस प्रकार की कार्यशालाएँ समय-समय पर आयोजित किए जाने से संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रगतिशील प्रयोग को बढ़ावा मिलेगा और सरकारी नीतियों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित होगा।

Scanned with OKEN Scanner

छाया चित्र:

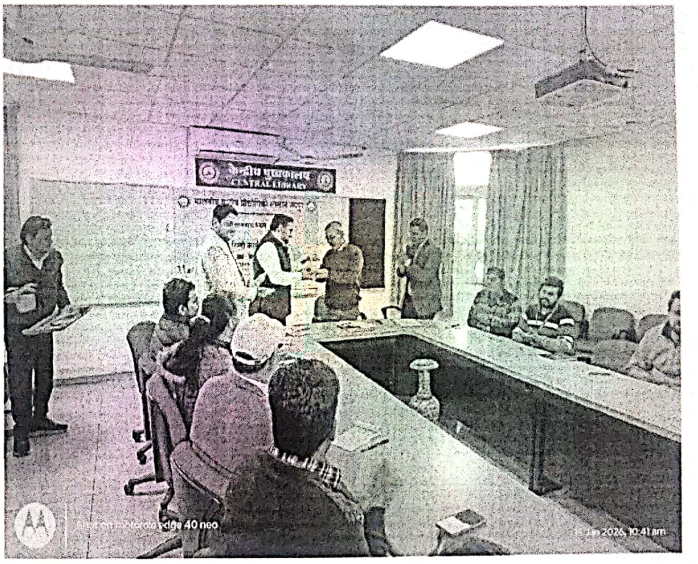

Scanned with OKEN Scanner